CON 88

एतदर्थ मंडल (हिंदी भाषा परीक्षा), महाराष्ट्र शासन

भाषा संचालनालय, महाराष्ट्र राज्य, प्रशासकीय भवन, ५ वी मंजिल,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर उद्यान के निकट, सरकारी कालोनी, बांद्रा (पूर्व), मुंबई ४०० ०५१.

उच्चश्रेणी परीक्षा

पहला प्रश्नपत्र — पाठ्य-पुस्तक तथा कार्यरूप व्याकरण

रविवार, दिनांक २६ जून २०२२

[**समय** : सुबह १०-३० बजे से दोपहर १-१५ बजे तक]

[**मौखिक परीक्षा की अवधि मिलाकर**]

(**कुल अंक** — १००)

सूचनाएँ.—(१) सभी प्रश्नों के उत्तर **हिंदी** भाषा तथा **देवनागरी** लिपि में लिखिए।

(२) शुद्ध भाषा तथा सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

(३) नया प्रश्न स्वतंत्र पृष्ठपर लिखिए।

अंक

प्रश्न १. निम्नलिखित गद्य अवतरणों में से किन्हीं दो का संदर्भ स्पष्टीकरण कीजिए :— १५

(अ) " मैं मात्र एक सत्यशोधक हूँ। मेरा मानना है कि मैने सत्य तक पहुँचने का मार्ग ढुँढ लिया है ।"

(ब) " तो इन्हें कह देंगे कि अंदर से दरवाजा बंद कर लें । मैं बाहर से ताला लगा दूँगा या माँ को कह देता हूँ कि अंदर जाकर सोएँ नहीं, बैठी रहें और क्या ? "

(क) " अकेले हम सिर्फ बोल सकते हैं, लेकिन रिश्तों के बीच बाते करते हैं। अकेले हम मजे कर सकते हैं, लेकिन रिश्तों के बीच उत्सव मनाते है ।"

(ड) " बाबूजी, कर लो। जूते चमका दूँगा। अभी तक बोहनी नहीं हुई है ।"

प्रश्न २. निम्नलिखित पद्य पंक्तियों में से किन्ही दो का संदर्भ स्पष्टीकरण कीजिए :— १५

(अ) दिल के सुरज को, सलीबों पें चढ़ानेवालो ।
रात ढल जाएगी, इक रोज जमानेवालों ।।

(ब) मिट्टी निश्चय है यथार्थ, पर क्या जीवन केवल मिट्टी है ?
तू मिट्टी,पर मिट्टी, से उठने की इच्छा किसने दी है ?

(क) साँझ का तारा, किसे खोजने आया आम निशा में ।
कौन संदेशा ले पवन आया है सुनने तो दो ।

(ड) राम सो नामा नामा सो रामा ।
तुम साहिब मैं सेवग स्वामा ।।
हरि सरबर जन तरंग कहावै ।
सेवग हरि तजि कहुं कत जावे ।।

[पलटकर देखिए

अंक

प्रश्न ३. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर आठ-दस पंक्तियों में लिखिए :— १५

(अ) माता- पिता अपने बच्चे का नाम रखने के लिए किस तरह परेशान होते है, पाठ के आधारपर स्पष्ट कीजिए ।

(ब) ' भाषा सीखना तथा भाषा जीना एक-दूसरे से भिन्न है ' ऐसा लेखिका महादेवी वर्मा जीने क्यों कहा है ? पाठ के आधारपर स्पष्ट कीजिए।

(क) ' ज्ञान में अभिवृद्धि के लिए देश-विदेश घूमना जरुरी है, ' यह घुमक्कड पाठ के आधारपर लिखिए।

(ड) ' परिवार कों जोड़नेवाली बहु की अपेक्षा करनेवाले ' रघुराज सिंह के विचार स्पष्ट कीजिए । और खुद का अपने भाईयों से कैसा व्यवहार था ?

प्रश्न ४. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर आठ-दस पंक्तियों में लिखिए :— १५

(अ) श्रीकृष्ण वियोग की व्यथा सूरदासजीने किस प्रकार दर्शायी हैं ?

(ब) हारिल पक्षी के माध्यम से देश के नवयुवकों को आगे बढ़ने की प्रेरणा कवि अज्ञेयजी कविता के माध्यम से कैसे देते है ?

(क) संत नामदेवजीने " रामनाम " की महिमा का गुणगान किस प्रकार किया है ?

(ड) ' हीम ' कविता के माध्यम से कवि ने हिमालय का वर्णन किस प्रकार किया है ?

प्रश्न ५. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं एक प्रश्न का उत्तर विस्तार से लिखिए :— १०

(अ) मन की उड़ान में हंस के उड़ने के, तौर, तरीकों और उनके रिश्तों के बारे में क्या बताया है ?

(ब) दुसरों के दुख के प्रति संवेदना " दुख " कहानी में किस प्रकार व्यक्त की है ?

(क) एक पुत्र की अपनी माँ के प्रति समर्पण की भावना " मानस का हंस " इस पाठ के अनुसार स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न ६. निम्नलिखित मुहावरों में से किन्ही पाँच के अर्थ लिखकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए :— १०

(अ) आगाह कर देना
(ब) खाली हाथ लौटना
(क) आसमान खा जाना
(ड) चौपट हो जाना
(इ) मन मारना
(फ) चक्कर काटना
(ग) संकट से दो हाथ करना
(ह) चुप्पी मे बँध जाना
(य) आँख मिलाकर खड़े रहना
(र) पसीना-पसीना हो जाना ।

प्रश्न ७. निम्नलिखित शब्द समूहों में से किसी एक का भाव स्पष्ट कीजिए :— ५

(अ) " यूँ नहीं माँ ! तुम तो जानती हो, दायाँ हाथ मिलाया जाता है । दायाँ हाथ मिलाओ । "

(ब) बालक कंधे पर झोली लटकाए आँधी-पानी में बढ़ा चला जा रहा हैं । भागने का प्रयत्न करे तो फिसलने का भय लगता है और धिरे चले तो आँधी पानी के तेज झोके उसे डगमगा देते है।

(क) मुझे तो हंस बुद्धिमान लगते हैं । सबको साथ लेकर उड़ते है । एक दिन में दस घंटे उड़ते हैं। हजारों मील उड़ते हैं । सबसे कमजोर हंस भी उनके साथ उड़ लेता है ।

अंक

प्रश्न ८. (अ) निम्नलिखित शब्दों में से किन्ही तीन सामासिक शब्दों का विग्रह करके उन समासों के प्रकार लिखिए :— ३

(१) तन-बदन (२) आत्मानंद (३) पीतांबर

(४) प्रतिदिन (५) पंचारती (६) विशालकाय ।

(ब) निम्नलिखित शब्दों में से किन्ही तीन शब्दों का संधिविच्छेद लिखिए :— ३

(१) धर्मसंकट (२) औषधालय (३) सत्याग्रह

(४) परमाणु (५) स्वार्थी (६) अल्पाहारी ।

प्रश्न ९. कोष्टक में दी गई सूचना के अनुसार किन्ही तीन के उत्तर लिखिए :— ३

(अ) पानी अब निर्मल नहीं रहा है ।
(सामान्य भविष्यकाल में बदलिए।)

(ब) उस समय स्थायि समीती की बैठक हो रही थी ।
(वाक्य शुद्ध करके फिरसे लिखिए।)

(क) हम उनके भरोसे क्यों रहे अपना सम्मान हम खुद बढाएँगे
(उचित विरामचिन्हों का प्रयोग कीजिए ।)

(ड) निम्नलिखित शब्दों में से किन्ही दो शब्दों में प्रत्यय जोडकर शब्द बनाइए :—

(१) सप्ताह (२) साहस (३) भारत ।

(इ) निम्नलिखित शब्दों में से किन्ही दो शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग अलग करके लिखिए :—

(१) आजन्म (२) कुपात्र (३) प्रजाति ।

प्रश्न १०. (अ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्ही तीन वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ती कीजिए :— ३

(१) अति मलीन .... कुमारी ।

(२) जीवन साधक की अवहेला, कर्मवीर का .... नहीं है।

(३) लक्ष्मीबाई का घोडा ठिठका, जहाँ .... तटपर ।

(४) .... तुमपे उठाएगी ये दुनिया इक दिन ।

(५) आजादी के उस प्रताप का रक्त गिरा था .... पर ।

(ब) निम्नलिखित वाक्य किसने किससे कहे है (किन्ही तीन प्रश्न के उत्तर अपेक्षित हैं) :— ३

(१) " बाबू जी, उतारो जूते । "

(२) " भाई जी, आपको कहीं जाना न हो तो, मैं मोटार साईकिल ले जाऊ । "

(३) " मैं बना दूँगी बेटा, जैसे बन पड़ेगा बना दूँगी । "

(४) " बहुत लेट हो गई हो, ऐसा भी क्या ऑटो था ? "

(५) " मोरि देह तो पाथर हुई गई है रे, कैसे सरकी ? "

CON 89

एतदर्थ मंडल (हिंदी भाषा परीक्षा), महाराष्ट्र शासन

भाषा संचालनालय, महाराष्ट्र राज्य, प्रशासकीय भवन, ५ वी मंजिल,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर उद्यान के निकट, सरकारी कालोनी, बांद्रा (पूर्व), मुंबई ४०० ०५१.

उच्चश्रेणी परीक्षा

दूसरा प्रश्नपत्र : निबंध लेखन, पत्र-लेखन, सार-लेखन, अनुवादन इ.

रविवार, दिनांक २६ जून २०२२

[**समय** : दोपहर २-०० से ४-३० बजे तक]

(कुल अंक — १००)

सूचनाएँ.—(१) प्रश्न क्रमांक दूसरा (अ) छोड़कर सभी प्रश्नों के उत्तर **हिंदी** भाषा तथा **देवनागरी** लिपि में लिखिए।

(२) शुद्ध भाषा तथा सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

(३) नया प्रश्न स्वतंत्र पृष्ठ पर लिखिए।

अंक

प्रश्न १. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग ३०० शब्दों का निबंध लिखिए :– २०

(अ) परीक्षा भवन का दृश्य

(ब) समय का सदुपयोग

(क) जीवन में खेलकूद का महत्त्व

(ड) करोना पीडीत व्यक्ति की आत्मकथा

(इ) मधुर वचन हैं औषधि ।

अथवा

निम्नलिखित रूपरेखा के आधारपर १५ से २० पंक्तियों में एक कहानी लिखिए तथा कहानी से प्राप्त सीख बतलाते हुए कहानी को उचित शीर्षक दीजिए :–

एक युवक ——— गलत संगति के चलते बुरी आदतों का शिकार होना ——— पुलिस के छापे में गिरफ्तार होना ——— पूछताछ में पुलिस अधिकारी का सच्चाई जानना ——— समुपदेशन कर उचित सलाह देना ——— रिहा होकर युवक का पुरानी संगति छोडकर छोटा-मोटा व्यवसाय शुरू करना ——— धीरे-धीरे बड़ा व्यवसायी बनना ——— अपने जैसे युवकों को नौकरी देना ——— शीर्षक ।

प्रश्न २. (अ) निम्नलिखित हिंदी अवतरण का मराठी या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :— १५

" कोई काम छोटा नहीं । कोई काम गंदा नहीं । कोई भी काम नीचा नहीं ।कोई काम असंभव भी नहीं कि व्यक्ति ठान ले और ईश्वर उसकी मदद न करे । शर्त यही है कि वह काम, काम का हो । किसी भी काम के लिए ' असंभव ', ' गंदा ' या ' नीचा ' शब्द मेरे शब्दकोश में नहीं है । " ऐसी वाणी बोलनेवाली मदर टेरेसा को कोढियों की सेवा करते देखकर एक बार एक अमेरिकी महिला ने कहा, " मै यह कभी नहीं करती । " मदर टेरेसा के उपरोक्त संक्षिप्त उत्तर से वह महिला शर्म से सिकुड गई थी । सचमुच ऐसे कार्य का मूल्य क्या धन से आँका जा सकता है या पैसे देकर किसी की लगन खरीदी जा सकती है ? यह काम तो वही कर सकता है, जो ईश्वरीय आदेश समझकर अपनी लगन इस ओर लगाए हो ।

[पलटकर देखिए

अंक

(ब) निम्नलिखित मराठी या अंग्रेजी अवतरण का सरल हिंदी में अनुवाद कीजिए :— १५

संध्याकाळी देवापुढे दिवा लावून माझी आजी आपल्या सुरेल आवाजात सांज आरती करते. उदबत्तीचा सुवास घरभर पसरतो. आणि तुपाच्या दिव्यातील वात मंद प्रकाशात तेवत असते. सगळ्या देवांच्या मुखावर तो मंद प्रकाश पसरतो आणि देवांच्या सात्विक मूर्तीबरोबर माझी आजी पण इतकी सात्विक दिसते की तिच्याकडे बघतच राहावे असे वाटते. माझी आजी म्हणजे माझ्या बाबांची आई माझ्या मनातला एक सुंदर ठेवा आहे. ती माझी हक्काची दौलत आहे ज्याच्यावर माझा आणि फक्त माझा हक्क आहे. माझी आजी माझे सर्वस्व आहे. ती माझी मैत्रीण आहे, माझी शिक्षक आहे, माझी मोठी आई आहे आणि माझे बाबा पण आहे. तिचे आणि माझे एक सुंदर विश्व आहे.

अथवा

Life a journey travelled on the highway of time. Therefore, time is precious. Every moment in life should be properly utilized, as time, once lost, can never be recovered. And there is no way to stop the hands of time from ticking. Hence right from childhood, one should learn to make the best use of money, should learn to make the best use of time, too. It has been rightly said, ' Time and tide wait for none, ' People who realize the value of time, believe a action rather than procrastination. They use it to acquire knowledge and various useful skills.

प्रश्न ३. (अ) निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप (नमुना) तैयार कीजिए :— १५

देवांग/देविका म्हात्रे, सुयोग, शिखरेवाडी नाशिक से दैनिक समाचार-पत्र में लिपिक (क्लर्क) की नौकरी के लिए आवेदन पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

अथर्व/अनिता पाटील, वेदराज, काळेनगर, मालेगाव से अपने छोटे भाई को अध्ययनशील होने की सलाह देते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

(ब) निम्नलिखित शब्दों में से किन्ही सात शब्दों के लिए अंग्रेजी पर्यायी शब्द लिखिए :— ७

(१) मूल्यांकन	(२) मुकदमा
(३) अनुमोदन	(४) वास्तविक
(५) अनुपस्थिति	(६) प्रसारण
(७) वार्षिक	(८) शून्यकाल
(९) प्रतिबंध	(१०) अधिपत्र ।

(क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्ही आठ शब्दों के लिए हिंदी पर्यायी शब्द लिखिए :— ८

(१) Acknowledgement	(२) Action Plan
(३) Balance	(४) Chargesheet
(५) Boycott	(६) Circular
(७) Volunteer	(८) Capital
(९) Allowance	(१०) Announcement.

अंक

प्रश्न ४. निम्नलिखित गद्यांश का एक-तिहाई सार लिखिए अथवा नीचे दिए गये प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखकर सार को उचित शीर्षक दीजिए :– २०

एक सघन वन में हाथियों का झुंड रहता था । एक बार दो वर्ष तक वर्षा नहीं हुई । नदी, सरोवर सब सूख गए । वृक्ष सूख गए थे । हाथियों का झुंड पानी की खोज में इधर-उधर भटकने लगा । अंत मे उन्हें एक ऐसा सरोवर मिला जो पानी से लबालब भरा था । और आस-पास हरियाली भी थी । नेता हाथी ने जैसे ही अपने झुंड को चिंघाड़कर सूचना दी कि इधर पानी है, सभी हाथी उस और दौड़ पड़े । सरोवर के चारों ओर, धरती के नीचे बिल बनाकर रहनेवाले कई प्राणी उनके पावों के नीचे आकर दब गए । उनमें कुछ खरगोश भी थे । उनका नेता था- लंबकर्ण । वह सोच में पड़ गया क्योंकि सभी उस स्थान को छोड़कर भागना चाहते थें । लंबकर्ण ने खरगोशों को समझाया, और उपाय करने का वचन दिया । दूसरे दिन लंबकर्णने कुछ चौकन्ने खरगोशों को बिलों की सीमा पर तैनात कर दिया और हाथियों के आते ही इशारा करने को कहा । सभी खरगोश उस ध्वनि-संकेत पर इधर-उधर हो जाएँ जिससे हाथियों के मार्ग में कोई भी खरगोश न आए ।

जैसे ही हाथियों की आने की आवाज हुई, संकेत पाकर सभी खरगोश अपने-अपने बिलों से निकल सुरक्षित स्थानों पर चले गये । हाथी अपनी मस्ती में झूमते, पेडों की टहनियाँ तोडते, तनों से शरीर रगड़ते सरोवर की ओर बढ़ रहे थे । लंबकर्ण उच्चस्वर में चिल्लाया–" अरे हाथियों ! इधर मत आना । इस सरोवर के स्वामी शशिदेव तुमसे नाराज हैं । उन्होंनें हमें इस सरोवर का रक्षक नियुक्त किया है । हाथियों के नेता ने पूछा कि शशिदेव हमसे क्यों अप्रसन्न है ? आपने उनके रक्षकों–खरगशों को कुचल डाला है । वे इस समय सरोवर में विराजमान हैं, दर्शन करना चाहते हो तो इस मार्ग से आओ । " लंबकर्ण ने संकेत कर दिखाया । सरोवर के बीचोंबीच हलकी लहरों से हिलता चंद्रमा का प्रतिबिंब था । वह बोला– देखो ! वे क्रोध से काँप रहे हैं । कही श्राप ही न दे दें । हाथियों का नेता भयभीत हो गया । और परिवार सहित अन्यत्र चला गया ।

प्रश्न–

(अ) वर्षा न होने के कारण हाथियों के झुंड को क्या परेशानी हुई ? ४

(ब) सरोवर मिलने पर हाथियों ने क्या किया और उसका क्या परिणाम निकला ? ४

(क) खरगोश सरोवर छोड़कर क्यों जाना चाहते थे ? उनका नेता उनके इस विचार से क्यों सहमत नहीं था ? ३

(ड) लंबकर्ण ने हाथियों से बचने का क्या उपाय सोचा ? ३

(इ) हाथियों के नेता ने सरोवर में ऐसा क्या देखा कि वह अपने परिवार सहित सरोवर छोड़कर चला गया ? ३

(फ) लंबकर्ण और हाथियों के नेता में से कौन बुद्धिमान था ? स्पष्ट कीजिए । ३